श्रीः
श्रीमते रामानुजाय नमः
श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

श्री मुक्कूर् लक्ष्मीनृसिंहस्वामिना अनुगृहीतं

॥ श्री सिंहाचल मङ्गळम् ॥

This document has been prepared by

Sunder Kidāmbi

with the blessings of

श्री रङ्गरामानुज महादेशिकन्

His Holiness śrīmad āṇḍavan śrīraṅgam

श्रीः

श्रीमते रामानुजाय नमः

श्रीमते निगमान्तमहादेशिकाय नमः

॥ श्री सिंहाचल मङ्गळम् ॥

सिंहशैलनिवासाय सिंहसूकर रूपिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 1 ॥

यज्ञेशाय महेशाय सुरेशाय महात्मने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 2 ॥

अक्षयायाऽप्रमेयाय निधये अक्षराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 3 ॥

चन्दनाङ्कित गात्राय पोत्रिणे परमात्मने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 4 ॥

श्री अक्षय तृतीयायां निजरूप धराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 5 ॥

यतीश्वरेणार्चिताय गतये सर्वसाक्षिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 6 ॥

सप्तोत्तर शतेयज्ञे स्वस्वरूप धराय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 7 ॥

विशाखाय सुशाखाय सागरायाचलाय च।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 8 ॥

श्री भूनीळा समेताय भक्तानां कामधेनवे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम् ॥ 9 ॥

यज्ञाय यज्ञरूपाय यज्ञिने यज्ञसाक्षिणे।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ **10** ॥

पद्मनाभाय देवाय पद्मगर्भाय पद्मिने।
श्री वराह नृसिंहाय सिंहाद्रीशाय मङ्गळम्॥ **11** ॥

मुक्कूर् नृसिंहदासेन सिंहाद्रीशस्य मङ्गळम्।
श्रीरङ्गयोगिकृपया प्रोक्तं सर्वार्थदायकम्॥ **12** ॥

॥ श्री सिंहाचल मङ्गळं समाप्तम्॥